



सत्यमेव जयते

भारत सरकार  
Government of India

भौगोलिक उपदर्शन पत्रिका

**GEOGRAPHICAL INDICATIONS JOURNAL**



बौद्धिक सम्पदा  
भारत  
**INTELLECTUAL  
PROPERTY INDIA**

भौगोलिक उपदर्शन पंजीकृति,  
बौद्धिक सम्पदा अधिकार भवन,  
जी.एस.टी. रोड, गिण्डी,  
चेन्नै - ६०० ०३२.

**Geographical Indications Registry,  
Intellectual Property Rights Building,  
G.S.T. Road, Guindy, Chennai - 600 032.**



**GOVERNMENT OF INDIA**

**GEOGRAPHICAL INDICATIONS  
JOURNAL NO.28**

**NOVEMBER- 17 , 2008/ KARTIKA 26, SAKA 1930**

## आधिकारिक सूचनाएँ

विषय : भौगोलिक उपदर्शन माल (पंजीकरण और संरक्षण) नियम 2002 के नियम 41(1) के अधीन यह सूचित किया जाता है।

1. नियम 41(1) के आवश्यकता के अनुसार, यह सूचित किया जाता है कि नवम्बर 17 2008 /— कार्तिक 26 शक 1930 दिनांकित भौगोलिक उपदर्शन पत्रिका का संस्करण संख्या 28, 24 नवम्बर, 2008 से जनता को उपलब्ध कराया जाता है।

## **OFFICIAL NOTICES**

**Sub: Notice is given under Rule 41(1) of Geographical Indications of goods (Registration & Protection) Rules 2002.**

1. As per the requirement of Rule 41(1), it is informed that the issue of Journal 28 of the Geographical Indication Journal dated 17th November 2008 /26th Kartika Saka 1930 has been made available to the public from 24th November 2008.

## Tkh vkbZ vkonu | a[; k 125

यह आवेदन राष्ट्रीय बागबानी बोर्ड, सं.85, औद्योगिक क्षेत्र, सेक्टर-18, गुर्गान 122015 (हरियाणा) द्वारा मेंगो मलिहाबेडी दशरी का भाग ए में पंजीकरण हेतु आम, जो वर्ग 31 के अधीन पडता है, के संबंध में आवेदन सं.125 के अधीन किया जा रहा है यह सामग्रियों का भौगोलिक संकेत (पंजीकरण व सुरक्षा) अधिनियम 1999 की धारा 13 का उपधारा (1) के अधीन स्वीकृत विज्ञापित है।

vkond : राष्ट्रीय बागबानी बोर्ड

irk % सं.85, औद्योगिक क्षेत्र, सेक्टर-18, गुर्गान  
122015 (हरियाणा)

Hkk&ksfyd | dr : मेंगो मलिहाबेडी दशरी

oxl : 31

I kexh : आम

## **G.I – APPLICATION NUMBER - 125**

Application is made by National Horticulture Board; No. 85, Institutional Area, Sector - 18, Gurgaon - 122015 (Haryana) for registration in Part A of the register of **Mango Malihabadi Dusseheri** under Application No 125 in respect of Mango falling in Classes 31 is hereby advertised as accepted under sub-section (1) of section 13 of Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999.

**Applicant** : National Horticulture Board

**Address** : No. 85, Institutional Area, Sector - 18, Gurgaon -  
122015 (Haryana)

**Geographical Indication** : **MANGO MALIHABADI DUSSEHERI**

**Class** : 31

**Goods** : Mango

- क) vkond dk uke : राष्ट्रीय बागबानी बोर्ड
- (ख) irk % सं.85, औद्योगिक क्षेत्र, सेक्टर-18, गुर्गान  
122015 (हरियाणा)
- (ग) मनुष्य समुदाय का  
सूची/उत्पादक/संगठन/  
प्राधिकरण : प्रार्थना किये जाने पर प्रदान किया जाएगा
- (घ) eky dk i xkj : कृषि
- (ङ) fofufnf"Vdj .k

vknr % मेंगो मलिहाबडी दशहरी एक फैलनेवाले तथा बलवान पेड है जो 8 से 10 मीटर ऊँचाई तक बढेगा ।

fc; fj x i xfr % बड़नियल

जड़- टैप रूट सिस्टम । यह सूपरफसियल फीडर जड़ों के साथ 6-8 मीटर तक गाढ़ा मॉस के साथ ऊपर की ओर चलता है ।

ruk % सिमेट्रिकल, गोलाकार केनोपी, छाल सामान्यतः गहरे ग्रे बाउन होती है बहुत सरल, सूपरफिशियली क्रेकड या अनुत्कृष्ट रूप से छेदित, अनियमित बहुत गाढे टुकडों में पील ऑफ करता है ।

i Rrk % पत्ते सामान्य, एक्सस्टिपुलेट, वैकल्पिक तौर पर व्यवस्थित, मीडियम, फैलनेवाले, ओवल लेन्सियोलेट, टिप सब-अक्युमिनट, बेस अक्यूट, 15-45 सेमी तक लंबाई मिड-रिब पर थोडा शिथिल, मार्जिन वेवी रहने के जैसे प्रवृत्त होना, पेटाइल 1 से 12 सेमी तक लंबाई में भिन्न होती है, सदा बुनियाद में सूजन, आगे आनेवाले पत्ते एकरू हरा तथा परिपक्व पत्ते रंग में सिट्रीन

- (A) Name of the Applicant** : National Horticulture Board
- (B) Address** : No. 85, Institutional Area, Sector - 18,  
Gurgoan - 122015 (Haryana).
- (C) List of association of persons /  
Producers / organization /  
Authority** : To be provided on request.
- (D) Type of goods** : Agriculture

**(E) Specification**

**Habit:** Mango Malihabadi Dusseheri is a spreading and vigorous tree reaching a height of about 8 to 10m

**Nature of bearing:** Biennial

**Root:** Tap root system: It goes up to 6-8 m with a dense mass of superficial feeder roots

**Stem:** Symmetrical, rounded canopy, Bark is usually dark grey-brown rather smooth, superficially cracked or inconspicuously fissured, peeling off in irregular, rather thick pieces.

**Leaf:** Leaves simple, exstipulate, alternately arranged, medium, spreading, oval lanceolate, tip sub-acuminate, base acute, slightly relaxed on the mid-rib up to 15-45 cm in length; margins entire- inclined to be wavy; petiole varies in length from 1 to 12 cm, always swollen at the base; Emerging leaves ecru green and matured leaves citrine in colour.

**Inflorescence:** Axillary or terminal Panicle

**Flower:** Hermaphrodite and male flowers- size: 6 to 8 mm, sub sessile, sweet smell; sepals 3-7; petals 3-7, yellowish; stamens and staminoids altogether 5; anthers pinkish. Ovary is sessile, one-celled, oblique and slightly compressed in its lateral aspect

**Fruit:** Drupe, small to medium, oblong-oblique, base rounded to obliquely rounded, stalk inserted squarely; cavity absent; shoulders equal, ventral higher than dorsal, ventral shoulder rising and then rounded, dorsal shoulder ending in a long curve; beak absent; sinus absent; apex

blUyKj d l % एक्सिलरी या टर्मिनल परिकल

Qm % हेर्माप्रोडाइट और मर्द फूल – साइज 6 से 8 एमएम, उप सेसाइल, मीठे सुगंध, सेपल 3–7, पेटल 3–7, एलोयिश, स्टेमेन और स्टेमिनाइड कुलमिलाकर 5, एंथर्स पिनकिश, ओवरी सेसाइल, एक सेल्ड, आब्लिक तथा उसकी पार्श्विक पहलु में किंचित सिकोडे होते हैं ।

Qy % ड्रूप, छोटे से मीडियम, अब्लांग-आब्लिक , बुनियाद गोले से आब्लिक तौर पर रउंडड, स्टॉक सयेर रूप से इन्सर्ट किये गये, केविटि अनुपस्थित, कंधे समान, वेन्ट्रल डार्सल से उच्च वेंट्रल कंधे उठनेवाले तथा फिर रउंड किये गये, डार्सल कंधे एक दीर्घ कर्व में बंद होते हैं, चोंच उअनुपस्थित, साइनस अनुपस्थित, अपेक्स रउंडड, त्वच मीडियम गाढा, सरल, प्राइमुलैन एलो, फलश दृढ, फाइबरहीन, केपुकाइल एलो, सुगंध अच्छा, स्वाद अच्छ, रसी स्कन्टी से संयत अतिशय हो सकता है ।

vk l re Hkkfrd j l k; fudh y{k.k

Qy otu (th)	Vh, l, l (%)	vfeyrk (%)	B&djkfVu- (µg/100जी पल्प)	एसकार्बिक अमिल वस्तु (एमजी/100जी)	अमलारी जीवन (दिनों)
192	20.2	0.250	12,150	42.30	5

Jkr % बैनियल अनुसंधान प्रतिवेदन 2001-2003, एआईसीआरपी (एसटीएफ), रेहमानकेरा, लखनउ

cht: पत्थर, मीडियम, अबलांग जिसे वेइन के ऊपर समानांतर तथा साधारण: से विख्यात रूप तक उठाये ज्यादातर गाढा, लघु नरम फाइबर से कवर किया जाता है ।

फल में पीले रंग विकसित करने के लिए, पेड की उपज के बारे में विवरण तथा गड्ढा वजन के परिमाण के लिए जिम्मेदार कारक निम्न है :-



rounded; skin medium thick, smooth, primuline yellow; flesh firm, fibreless, capucine yellow; flavour pleasant; taste sweet; juice scanty to moderately abundant.

#### Average Physico chemical characteristics

Fruit wt (g)	TSS (%)	Acidity (%)	β-Carotene (μg/100 g pulp)	Ascorbic Acid Contents (mg/100 g)	Shelf Life (Days)
192	20.2 and higher	0.250	12,150	42.30	5

**Source:** Biennial Research Report 2002-2003, AICRP (STF), Rehmankhera, Lucknow

**Seed:** Stone, medium, oblong covered with fairly dense, short soft fiber all over vein parallel and slightly to prominently raised.

The factors responsible for the development of the yellow colour of the fruit, information on yield for tree and dimension of the pit size are given below:-

- ✓ Beta carotene is the main factor responsible for development of yellow colour. The average values are 12,150μg/100 g pulps.
- ✓ The yield of tree varies between 100-400 Kg depending on size of capony and age of the trees. Trees older than 25 years are heavy bearers. There is tendency of biennial bearing and yields are 20-28% lesser in alternate years.
- ✓ Dimension of the pit is Length= 1 meter, Breadth = 1 meter and Depth could be 0.5 to 1 meter.

The shelf life is indicated after ripening. However, generally mangoes are harvested on maturity and can be transported to marketing centers before ripening. In case of Dusseheri it ripens after 6-7 days of harvesting at maturity and it stays for 5 days after ripening. Thus, a total of 11-12 days is available to market the produce after harvest. There are several techniques that can improve the shelf life of mangoes. These are listed below:

- ✓ पीले रंग विकास के लिए जिम्मेदार मुख्य कारक है बेटा केरोटीन । औसतम मूल्य है 12,150µg/100 g pulps.
- ✓ पेड का उपज केपोनी की साइज पर आधारित करके 100–400 कि ग्राम के बीच रहता है। 25 वर्ष उम्र से अधिकवाले पेड भारी धारक है। द्विवर्ष धारण की प्रवृत्ति है और एकान्तर वर्षों में उपज 20–28 प्रतिशत तक घटत है।
- ✓ गड्ढा का आकार है लंबाई – 1 मीटर, चौड़ाई – 1 मीटर तथा गहराई 0.5 से 1 मीटर तक हो सकता है।

भंडारण तक कि अवधि परिपक्व होने तक संकेतित है। पर भी, सामान्यतः आम को परिपक्व होने पर उपज किया जाता है और परिपक्वता के पहले विपणन केन्द्रों में परिवहन किया जा सकता है। दशहरी के विषय में यह उपज से 6–7 दिनों तक परिपक्व होता है और यह परिपक्वता से 5 दिनों तक रहता है। इसलिए, उपज के बाद, उत्पादन को विपणन करने के लिए कुल 11–12 दिन उपलब्ध है। आम की शेल्फ जीवन को विकसित करने के लिए कई तकनीक उपलब्ध हैं उन्हें नीचे सूचीबद्ध किया जा रहा है

क) निम्न तापमान भंडारण : पूर्व ठंडीकृत दशहरी आम को 9 डिग्री सेन्टीग्रेड में तथा 85–95 प्रतिशत आरएच में 25–35 दिनों तक भंडारण किया जा सकता है तथा परिवेशी परिस्थितियों में आगे 6 दिन तक भंडारण कर सकते है।

(ख) नियंत्रित वातावरणिक भंडारण ( उच्च कार्बन-डायआक्साइड एकाग्रण के साथ) या तो अकेले या रेफ्रिजरेटड भंडारण के साथ )

- A) Low temperature storage: Pre-cooled Dusseheri mango could be stored at 9 degree C and 85-95% RH for 25-35 days. At 12 degree C and 75-85% RH it has a shelf life of 21 days and further 6 days at ambient conditions.
- B) Controlled Atmospheric Storage (with high concentration of Carbon di Oxide) either alone or with Refrigerated storage).
- C) Irradiation.

It is reported in the U.P district Gazetteer that in 1955-56, 2480 acres in Lucknow district were under mango cultivation & the town of Malihabad was famous for the dasheri variety of mangoes and nurseries from the here supplied seedlings all over the state.

**(F) Name of the Geographical Indication (and particulars):**

**MANGO MALIHABADI DUSSEHERI**

**(G) Description of goods:**

Mango Malihabadi Dusseheri (alternatively spelt *Dashehari and dasheri*) is a variety of mango with fibreless flesh and with pleasant flavour and taste. The region comprising of Malihabad, Mal and Kakori tehsils of Lucknow district of Uttar Pradesh on the banks of Gomati river is famous for Mango Malihabadi Dusseheri. Mango Malihabadi Dusseheri has a small to medium sized fruit with elongated shape, which is yellow in color, with fibreless flesh, rich characteristic flavor and good keeping quality.

**(H) Geographical area of Production and Map as shown in page no 97.**

Mango Malihabadi Dusseheri originated in Malihabad Tehsil, Lucknow district, Uttar Pradesh. It is characteristic of all tehsils of Lucknow district viz Malihabad, Mal and Kakori.

**Latitude:** 26°45' N to 27 °10' N

**Longitude:** 80 °30'E to 80 °55' E

(ग) आलोकित करना

यू पी जिला गेजटिर में 1955-56 में प्रतिवेदित किय गया है कि लखनउ जिला में 2480 एकड आम उपज के अधीन था और दशहेरी प्रकार के आम के लिए मलिहाबाद शहर प्रसिद्ध था और यहाँ के नर्सरी पूरी राज्य में पौधा आपूर्ति करते थे ।

(च) मंगो मलिहाबाडी दशहरी:

मंगो मलिहाबाडी दशहरी

(छ) मंगो मलिहाबाडी दशहरी:

मंगो मलिहाबाडी दशहरी (जिसे वैकल्पिक रूप से दशहरी और दशहेरी) कहा जाता है फाइबरलेस फलश के साथ एक आम है तथा इसमें अच्छे स्वाद व रूचि रहता है। ग्रेमती नदी के तट पर उत्तर प्रदेश के लखनउ जिला के मलिहाबाद, माल, ककोरी और भक्षी का तालाब तहसील सम्मिलित क्षेत्र मंगो मलिहाबाडी दशहरी के लिए सुप्रसिद्ध है। मंगो महिलाबाडी दशहरी एलांगेटड आकार के साथ मीडियम साइज से छोटे फल रखता है, जो रंग में एलो है, फाइबरलेस फलश उपलब्ध है तथा अच्छे लाक्षणिक फलेवर और अच्छा गुण उपलब्ध है।

(ज) मंगो मलिहाबाडी दशहरी मलिहाबाद तहशिल, लखनउ जिला, उत्तप्रदेश में आविर्भाव हुआ था।

लखनउ के सभी तहशिलों का यह लक्षण है जैसे मलिहाबाद, मॉल, ककोरी और भक्षी का तालाब

यु.पी. : 26°45'N to 27°10' N

यु.पी. : 80°30'E to 80°55' E

As per the report by “Remote Sensing Applications Centre”, UP Lucknow “Mango Acreage & Production Estimation in Different Mango Belts of Uttar Pradesh using Satellite Data “ estimation have been made for mango area and production in the Lucknow district. A significant portion of this occupied by Mango Malihabadi Dusseheri. Below we are reproducing the relevant text of the report.

In Mal mango belt/block of Lucknow district, total 6757 ha area under mango orchard has been estimated, out of which 6423 ha area is under older age group mango and 334 ha area is under 5 to 15 year mango orchards. Concentration of the mango orchards is towards the eastern and central portion of Mal block. The total production of 103363.58 mt. Mango has been estimated in this block.

In Malihabad mango belt of district Lucknow, 6253 ha area under mango orchard has been estimated, out of which 5703 ha area is under older age group of mango (more than 15 year) and 550 ha area is under 5 to 15 years age group. Mango orchards are concentrated in eastern part of the Malihabad. The total production of 95658.39 mt mango has been estimated in this belt.

In Kakori mango belt of district Lucknow mango orchards are concentrated in central part of the block. The total area under mango is 4019 ha., out of which 3379 area has been estimated under older age group of mango orchards and remaining area is under 5-15 years age group of mango orchard. The total production of 61482.66 mt mango has been estimated in this mango belt.

In mango belt of Bakshi Ka Talab, orchards are concentrated mostly towards northern portion of the block. The total area of 2071 ha mango orchards has been estimated under older age group mango. The total production of 31682.15 mt mango has been estimated in this belt.

#### **(I) Proof of origin: (Historical records)**

Based upon the historical and general evidence available in the book “The Mango” authored by Gangolly *et al* (1957), Dusseheri mango serves its name from a village called by name *Dusher* between Lucknow and Malihabad owned by the Nawab of Lucknow (Presently the village Dusher is called as Dusseheri). It owes its origin to a superior chance-seedling in the garden of

‘रिमोट सेन्सिंग अप्लिकेशन्स केन्द्र’ यूपी लाखनऊ द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार ‘सेटिलाइट डाटाज़ उपयोग करके उत्तर प्रदेश के विभिन्न आम बेल्टों में आम एकरेज तथा उत्पादन अनुमान’ अनुमान आम क्षेत्र तथा लखनऊ जिला में उत्पादन के लिए किया गया है। इसमें से एक विशिष्ट भाग आम मलिहाबादी दशहेरी से अपनाया जाता है। नीचे हम प्रतिवेदन से संबंधित प्रतिवेदन को पुनःप्रस्तुत कर रहे हैं।

लखनऊ जिला के मॉल आम बेल्ट/ब्लाक में, कुल 6757 हेक्टेर क्षेत्र आम आर्चड के अधीन अनुमान किया गया है जिसमें से 6423 हेक्टेयर क्षेत्र पुराने आयु दल आम तथा 334 हेक्टेयर 5 से 15 वर्षीय आर्चड के अधीन आता है। आम आर्चड की केन्द्रीकरण मॉल ब्लाक की पूर्वी तथा केन्द्रीय भाग की ओर है। इस ब्लाक में 10363.58 एमटी आम का कुल उत्पादन अनुमानित किया जाता है।

लखनऊ की मलिहाबाद आम बेल्ट में, अरम अरर्वेछ के अण्रील जमीन का 6253 हेक्टेयर क्षेत्र अनुमान किया गया है जिसमें से 5703 हेक्टेयर क्षेत्र आम के पुराने आयु दल (15 वर्षों से अधिक) और 550 हेक्टेयर क्षेत्र 5 से 15 वर्ष आयु दल के अधीन है। आम आर्चड की केन्द्रीकरण मलिहाबाद के पूर्वी भाग में है। इस बेल्ट में आम का उत्पादन 95658.39 एमटी अनुमानित किया गया है।

लखनऊ की ककोरी आम बेल्ट में ब्लाको के केन्द्रीय भाग में आम आर्चड एकाग्र है। आम के अधीन कुल क्षेत्र 4019एचए है, जिसमें से 3379 क्षेत्र को आम आर्चड के पुराने आयु दल में अनुमानित किया गया और बाकी क्षेत्र आम आर्चड के 5-15 वर्ष आयु दलों के अधीन है। इस आम बेल्ट में 61482.66 एमटी आम का कुल उत्पादन अनुमानित है।

भक्षी का तालाब आम बेल्ट में, ब्लाक के उत्तर भाग में ज्यादातर एकाग्र है। आम आर्चड का कुल क्षेत्र 2071 हेक्टेयर पुराने आयु दलीय आम के अधीन अनुमानित किया गया है। कुल उत्पादन 31682.15 एमटी आम इस बेल्ट के अधीन अनुमानित है।

the Nawab. A few grafts of the variety are reported to have been presented by the Nawab to Alamgir Khan of Malihabad who planted these in his garden, which formed the chief source of its spread in later years.

It is reported in the U.P State Gazetteer that as per Census-1951, 900 acres out of the total 1200 acres in Malihabad tehsil were under mango cultivation & the town of Malihabad is famous for the *dasher*i variety of mangoes.

### **Proof of historical evidence**

“The Mango” authored by Gangolly, S.R, Ranjit Singh, S.L.Katyul and Daljit Singh, Indian Council of Agricultural Research, New Delhi – 1957

“The Mango Botany cultivation and Utilization” authored by Dr. Lal Behar Singh, World Crops Books, Interscience Publishers, Inc, New York – 1968.

U.P District Gazetteer, volume XXXVII, Govt of Uttar Pradesh - 1959

A Tryst with mango authored by Om Prakash and Khan, Central Institute for Subtropical Horticulture, Lucknow - 2005

Mango Acreage and production estimation in different mango belts of Uttar Pradesh using Satellite Data by Remote Sensing Applications Centre, UP, Lucknow - 2001

The altitude of the geographical area varies between 372 feet to 450 feet above the sea level. This is as per ‘U.P District Gazetteer, volume XXXVII, Govt. of Uttar Pradesh – 1959.

### **(J) Method of Production:**

#### **Agro-climatic requirements**

Mango is well adapted to tropical and sub-tropical climates. It thrives well in almost all the regions of the country but cannot be grown commercially in areas above 600 m. It cannot stand severe frost, especially when the tree is young. High temperature by itself is not so injurious to mango, but in combination with low humidity and high winds, it affects the tree adversely.

(झ) वओरिजिन का गवाह: (ऐतिहासिक अभिलेख)

ऐतिहासिक तथा सामान्य गवाह जो गंगाली इट एल (1957) द्वारा लिखित 'द मेंगो ' में उपलब्ध है उसपर आधारित करके दशहरी आम अपने नाम दशर गॉव से पाया है जो लखनउ के नवाब के मालिकत्व में लखनउ और मलिहाबाद के बीच स्थित है। (अब दशहर गॉव को दुशेहरी कहा जाता है। ) अपने आरिजिन के लिए नवाब के बाग में बेहतर चेन्स-सीडलिंग से ऋणी है। इस प्रार के कुछ ग्राफ्ट नबाव द्वारा मलिहाबाद के अलमगिर खॉन को भेंट दिया गया था जिन्हें इन्हें अपने बाग में उपज किया जो बाद के वर्षों में इसकी मुख्य फैलाव श्रोत बना।

यू पी राज्य गेजट में प्रतिवेदित है कि सेन्सस- 1951 के अनुसार, मलिहाबाद तेहसिल के 1200 एकड़ों में से 900 एकड़ आम उपज के अधीन रहा तथा मलिहाबाद आम के देशेरी प्रकार के लिए विख्यात है।

, frgkfl d xokg dk iæk.k

गंगोली, एस आर. रंजित सिंह, एस.एल. कतर्यॉल और दलजित सिंह, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली 1957 से लिखित 'मेंगो '

डॉ लाल बेहर सिंह, वर्ल्ड क्राप्स बुक्स, इन्टरसाइन्स पब्लिशर्स इंक, न्यूयार्क - 1968 से लिखित "मेंगो बॉटनी कल्टिवेशन और युटिलाइसेशन "

यू पी जिला गेजटीर, वाल्यूम XXXVII, उत्तर प्रदेश सरकार 1959

ओम प्रकाश और खॉन, सब ट्रापिकल हार्टिकल्चर के लिए केन्द्रीय संस्थान, लखनउ 2005 से लिखित 'ए ट्रिस्ट विथ मेंगो '

रिमोट सेन्सिंग अप्लिकेशन्स केन्द्र, यू पी लखनऊ-2001 द्वारा सेटिलाइट डाटा उपयोग करके उत्तर प्रदेश के विभिन्न आम बेल्टों में आमा एकरेज तथा उत्पादन अनुमान



Mango varieties usually thrive well in places with rainfall in the range of 75-375 cm. /annum and dry season. The distribution of rainfall is more important than its amount. Dry weather before blossoming is conducive to profuse flowering. Rain during flowering is detrimental to the crop as it interferes with pollination. However, rain during fruit development is good but heavy rains cause damage to ripening fruits. Strong winds and cyclones during fruiting season can play havoc as they cause excessive fruit drop.

Loamy, alluvial, well drained, aerated and deep soils rich in organic matter with a pH range of 5.5 to 7.5 are ideal for mango cultivation.

**Soil:** In the designated geographical area, Dusseheri mango can be grown in all types of loamy soil with good drainage. The optimum soil pH is 6.5 to 8.

**Climate:** Dusseheri mango grows well in tropical climate. The ideal temperature range for mango is 20 to 30 C. Dry weather before blossoming is conducive to profuse flowering. Rain during flowering is detrimental to the crop as it interferes with pollination.

**Method of Propagation:** Different methods of propagation are being used in different regions growing Mango Malihabadi Dusseheri but in Malihabad and its adjoining area inarching and veneer grafting are commonly practiced.

Inarching refers to uniting the selected shoot (scion) of a desired parent tree (mother plant) with the potted or transplanted seedling (rootstock) by approach grafting. A thin slice of bark and wood, about 5 cm in length, 7.5 mm width and 2 mm deep, is removed by means from the stem of the stock as well as from the scion branch. The ends of these cuts should be round and not angular. The cut surfaces of both, *i.e.*, stock and scion are made to coincide facing each other so that there remains no hollow space between the two.

In case of veneer grafting a downward and inward 30 to 40 mm long cut is made in the smooth area of the stock at a height of about 20 cm. At the base of cut, a small shorter cut is given to intersect the first so as to remove the piece of wood and bark. The scion stick is given a long

भौगोलिक क्षेत्र का आल्टिट्यूड समुद्रीय तट के ऊपर 372 फुट से 450 फुट के बीच रहता है। यह 'यू पी जिला गेजटीर, वाल्यूम XXXVII, उत्तर प्रदेश सरकार 1959 के अनुसार है ।

ब) मRi knu dh rj hdk:

v xks ekl eh; vko' ; drk, ॥

आम उष्णदेशीय तथा सब-उष्णदेशीय मौसमों से अनुकूल है। देश के लगभग सभी क्षेत्रों में यह अच्छा फलता है पर 600 मीटर से अधिक जगह में इसे वाणिज्यिक रूप से उगा नहीं सकते। यह गंभीर तुषार का सामना नहीं कर सकता, मुख्यतः जब पेड़ छोटै है। उच्च तापमान

आम के लिए बहुत ही क्षतिकारी", पर कम नमी तथा उच्च हवाओं के साथ मिश्रण में, यह पेड़ पर बहुत ही बाधा पहुँचाता है।

आम फल 75-375 सेमी/वर्ष तथा सूखे मौसमों के जगहों में अच्छा फलता है। वर्षा की फलाव उसकी मात्रा के तुलन में बहुत मुख्य है। प्रचुर रूप से फूलने के लिए खिलने के पहले सूखे मौसम सहायक है। फूलने के दौरान वर्षा फसल के लिए हानिकारक है क्योंकि यह पोलिनेशन में हस्तक्षेप करता है। पर भी, फल विकास के समय वर्षा अच्छा है पर अधिकतम वर्षा परिपक्व होनेवाले फल पर क्षति पहुँचा सकता है। फलनेवाले मौसम के दौरान दृढ़ हवा तथा तूफान अधिक हानि पहुँचा सकता है क्योंकि वे अधिकतम फलों को गिरने देता है।

दूमट] जलोढ़, अच्छे निकासी, एरियेटड तथा गहरे मिट्टी जो 5.5 से 7.5 तक पीएच रेंग के साथ आर्गनिक मेटर में भरपूर है वह आम उपज के लिए उचित है ।

feV/h: अभिकल्पिक भौगोलिक क्षेत्र में, दशहरी आम को अठे निकासी के साथ सभी प्रकार के दूमट मिट्टी में उपज कर सकते है। अधिकतम मिट्टी पीएच है 6.5 से 8।

slanting cut on one side and a small short cut on the other so as to match the cuts of the stock. The scion is inserted in the stock so that the cambium layers come on the longer side. The graft union is then tied with polythene strip as recommended for inarching. The desired shoots are defoliated at least one week prior to grafting so that the dormant buds in the axil of leaves become swollen.

**Planting:** Pits are opened at a distance of 10X10m or 7X7m and are filled with farmyard manure, sand & topsoil and the grafted plant is planted in the center of the pit between June to September months.

The entire (50 kg) dose of farmyard manure and half dose of NPK are applied during monsoon, while the remaining dose of NPK is applied at the end of monsoon.

In Malihabad and its adjoining region for a 10 year old tree, farmers apply 1.45 kg of urea, 3 kg of super phosphate and 1 kg of Muriate of potash per plant per year in two doses viz: 1<sup>st</sup> dose in June and 2<sup>nd</sup> dose in October

Micronutrients are applied through foliar spray based on the requirements.

At flowering stage, 20 ppm of NAA spray is recommended to increase the fruit retention and also 0.5% Urea (5 g/lit.) or 1% Potassium Nitrate (10g/lit.) could be sprayed to induce flowering. Amount and frequency of irrigation is given based upon the type of soil, prevailing climatic conditions, especially rainfall and the distribution and age of the trees. In winter, irrigation is given once in 15 days while in summer the trees are irrigated once in a week.

Overlapping, intercrossing, diseased, dried branches are removed. Pruning is done once in three years. Flowering is not allowed up to first three years. In Malihabad and its adjoining region, peak season of harvesting is July-August. Mangoes do not normally need any post-harvest treatment for local marketing.

एक से 10% दशहर आम उष्णदेशीय में अच्छे रूप से फलता है। आम के लिए उचित तापमान रेंज है 20 से 30 सेंटीग्रेड। प्रचुर रूप से फूलने के लिए खिलने के पहले सूखे मौसम सहायक है। फूलते वक़्त वर्षा फसल के लिए हानिकारक है क्योंकि यह पोलिनेशन के साथ अंतःक्षेप करता है।

**कसल/क्र रजिडक :** आम महिलाबादी दुशहरी विकसित करनेवाले विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न तरीकों काच उपयोग किया जा रहा है पर महिलाबाद और उसके समीप के क्षेत्रों में सामान्य तौर पर इनार्चिंग तथा विनीर ग्राफ्टिंग का अभ्यास किया जा रहा है।

अप्रोच ग्राफ्टिंग, पॉटेड या ट्रान्स्प्लेंटेड सीडलिंग के साथ वांछित पेरन्ट पेड के चुने शूट (स्क्रियॉन) को जोड़ने को संदर्भित करता है। छाल और लकड़ी का पतला स्लाइस जो लगभग 5 सेमी लंबाई का है तथा 7.5 एमएम चौड़ाई तथा 2 एमएम गहराई का है, को स्टॉक के छाल के जरिये या स्क्रियॉन शाखा के जरिये हटाया जाता है। इन काटों के कोने को गोलाकार होना चाहिए न कि एंगुलर। दोनों जैसे स्टॉक और स्क्रियॉन का काट तल एक दूसरे को देखने के जैसे बनाया जाता है ताकि इन दोनों बीच कोई पोला जगह न रहें।

विनीर ग्राफ्टिंग के प्रकरण में एक नीचे की ओर तथा अन्दर की ओर 30 से 40 एमएम लंबाई काट, लगभग स्टॉक के 20 सेमी उँचाई के सरल क्षेत्र में बनाया जाता है। काट के बुनियाद में, एक छोटे न्यून काट प्रथम को अंतःक्षेप करने के लिए दिया जाता है ताकि लकड़ी तथा तना को हटा सकें। स्क्रियॉन स्टिक पर एक दीर्घ स्लाइस काट एक ओर दिया जाता है और एक छोटे लघु काट दूसरी ओर दिया जाता है ताकि स्टॉक के काट से मिलन कर सकें। स्क्रियॉन यूनियन को फिर पालिथीन स्ट्रिप से इनार्चिंग के लिए सिफारिश किये अनुसार बँधा जाता है। वांछित शूट को ग्राफ्टिंग से एक वर्ष पहले डीफाइलेट किया जाता है ताकि पत्ते के एक्सिल में निष्क्रिय बड सूजित हो जाते हैं।

**Physical Characters of Dusseheri:**

Fruits dimensions				Inflorescence		Stone dimensions		
Weight of the fruit in grams / fruit	Length of fruit in cms	Major diameter in cms	Minor diameter in cms	Length of inflorescence in cms	Spread in cms	Length of stone in cms	Width of stone in cms	Thickness of stone in cms
172	8.3	6.3	6	30	35.3	5.8	3.8	1.8

**Range and Mean Values of Various Elements in Different Parts of Mango Leaves of Dusseheri Mango (Chadha et.Al.1976)**

Element	Whole leaf		Leaf blade		Petiole	
	Range	Mean	Range	Mean	Range	Mean
Nitrogen (%)	0.95-1045	1023	0.60-1.25	100	0.36-0.60	0.46
Phosphorus (%)	0.040-0.117	0.06	0.60-1.25	100	0.35-0.60	0.148
Potassium (%)	0.450-0.775	0.539	0.100-0.500	0.338	0.525-1.200	0.852
Calcium (%)	1.16-2.30	1071	1016-2.32	1.76	1078-3.48	2.82
Magnesium (%)	0.54-1.25	91	0.043-0.73	1.2	0.70-1.33	1.07
Sulphur (%)	0.064-0.156	121	0.060-0.150	0.106	0.056-0.184	0.111
Zinc (ppm)	0-233	166	166-383	141	300-900	481
Copper (ppm)	1.0-33	12	1.0-8	3	1.0-15	4
Manganese (ppm)	30-110	66	40-130	77	20-100	48
Iron (ppm)	67-333	171	83-533	207	17-167	86

10x10 मी या 7x7 मी की दूरी में गड्ढा खोला जाता है और फिर फार्मयार्ड खाद, मिट्टी तथा टॉपसाइल से भरा जाता है तथा जून से सितंबर महीने के बीच ग्राफ्टड पौधे को गड्ढे के केन्द्र में गाड़ा जाता है।

फार्मयार्ड खाद के लिए पपूर्ण (50 केजी) तथा एन पी के का आधा डोस मौसम के दौरान प्रयोग किया जाता है जबकि एनपीके का बी डोस मौसम के अंत में प्रयोग किया जाता है। मालिहाबाद में तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में 10 वर्षीय पेड के लिए, किसान 1.45 केजी यूरिया, 3 के जी सुपर फास्फेट और 1 किलोग्राम मुरियेट ऑफ पोटेस प्रति पौधा प्रति वर्ष दो डोसेजों में प्रयोग करते हैं जैसे प्रथम डोस जून में तथा द्वितीय डोस अक्टूबर में।

माइक्रोन्यूट्रिन्ट को आवश्यकता पर आधारित करके फोलियार स्प्रे द्वारा प्रयोग किया जाता है।

फूलनेवाले स्थिति में, फल रिटेन्शन को विकसित करने के लिए 20 पीपीएम एनएए स्प्र का सिफारिश किया जाता है और फलना उकसाने के लिए 0.5 प्रतिशत यूरिया (5 ग्राम/लिट) या पोटेसियम नाइट्रेट (10 ग्राम/लिट) स्प्रे कर सकते हैं।

सिंचाई की मात्रा तथा आवृत्ति को मिट्टी, फलनेवाले मौसमीय परिस्थिति, मुख्यतः वर्षा पर तथा पेडों के वितरण तथा आयु पर आधारित करके दिया जाता है। विन्टर में सिंचाई 15 दिनों में एक बार दिया जाता है जब कि ग्रीष्मऋतु में पेडों को हफते में एक बार सिंचाई किया जाता है।

ओवरलेपिंग, इन्टरक्रासिंग, रोग से पीडित, सूखे शाखाओं को हटाया जाता है। तीन वर्ष में एक बार प्रूनिंग किया जाता है। प्रथम तीन वर्षों तक फूलने के लिए अनुमति नहीं दिया जाता है। मालिहाबाद तथा उसके निकटतम स्थानों में, उपज के लिए मुख्य समय है जुलाई-अगस्त। आम के लिए क्षेत्रीय विपणन के लिए किसी उपज के बाद उपचार की जरूरत नहीं है।

**(K) Uniqueness:**

- “According to the traditional mango growers of the region, the Dusseheri mangoes grown in other areas are different from Dusseheri grown in Malihabad region as Dusseheri mangoes grown in other regions have Un-uniform ripening and a marked difference in shape, colour and taste”.
- The climatic and geological conditions prevailing in Malihabad and its adjoining regions has given unique characteristic to Mango Malihabadi Dusseheri, which has given firm sustainability to characteristics of Mango Malihabadi Dusseheri for more than 300 years.
- The traditional growers attribute the unique soil of Malihabad region for the characteristics Flavour of Mango Malihabadi Dusseheri
- Pleasant flavor- Mango Malihabadi Dusseheri is known all over the world for its pleasant characteristic flavour and rich sweet taste when fully ripened.
- Rich orange yellow colour- According to the book “The Mango” authored by Gangolly , the Dusseheri variety cultivated in south India failed to develop the rich orange yellow colour that it acquires in Northern India when fully ripe.
- Fiber less flesh
- Good keeping quality

**(L) Inspection body:**

Steps are being taken by the applicants to set up a suitable, independent and effective inspection body involving external members.

दशहरी संबंधित भौतिकी अभिलक्षण

Qyka dk i fjek.k				baQyksj d l		i RFkj i fjek.k dk		
फल का वजन / ग्राम में	फल की लंबाई से मी में	से मी में मुख्य डायमीटर	से मी में माइनर डायमीटर	से मी में इन्फ्लोरेसेन्स की लंबाई	से मी में विस्तार	से मी में पत्थर की लंबाई	रपत्थर क गहराई समी में	से मी में पत्थर की घनापन
172	8.3	6.3	6	30	35.3	5.8	3.8	1.8

n'kgj h vke (pnk bz Vh-, , y-1976) ds vke i Rrk ds foHkUu Hkxka ea dbZ , fyeW/ka ds jst rFkk ehu eW;

, fyeW	i wKz i Rrk		i Rrk CyM		i fV; ksy	
	jst	ehu	jst	ehu	jst	ehu
नाइट्रोजन (%)	0.95-1045	1023	0.60-1.25	100	0.36-0.60	0.46
फासफरस (%)	0.040-0.117	0.06	0.60-1.25	100	0.35-0.60	0.148
पोटेशियम (%)	0.450-0.775	0.539	0.100-0.500	0.338	0.525-1.200	0.852
कैल्शियम (%)	1.16-2.30	1071	1016-2.32	1.76	1078-3.48	2.82
मेग्नीशियम (%)	0.54-1.25	91	0.043-0.73	1.2	0.70-1.33	1.07
सल्फर (%)	0.064-0.156	121	0.060-0.150	0.106	0.056-0.184	0.111
ज़िंक (पीपीएम)	0-233	166	166-383	141	300-900	481



कॉपर (पीपीएम)	1.0-33	12	1.0-8	3	1.0-15	4
मैंगनीज़ (पीपीएम)	30-110	66	40-130	77	20-100	48
लोहा (पीपीएम)	67-333	171	83-533	207	17-167	86

### ( ट ) vuks[ kki u:

- 'इस क्षेत्र के परंपरागत आम उत्पादन करनेवाले के अनुसार, अन्य क्षेत्रों में पैदा किये जानेवाले आम मलिहाबाद क्षेत्र में उपज किये जानेवाले दशहरी से भिन्न है क्योंकि अन्य क्षेत्रों में उत्पादित दशहरी आम में असमान परिपक्वता उपलब्ध है और आकार, रंग तथा स्वाद में बेहतर भिन्नता है।'
- मौसमीय तथा भौगोलिक परिस्थिति जो मलिहाबाद में उपलब्ध है उसने मंगो मलिहाबादी दशहरी के लिए एक अनोखी लक्षण दिया है जिसने 300 से अधिक वर्षों तक मंगबो मलिहाबादी दशहरी के लिए दृढ़ चिरस्थायी दिया है।
- परंपरागत उत्पादक, मंगो मलिहाबादी दशहरी की गुणधर्मीय स्वाद के लिए मलिहाबाद क्षेत्र की अनोखी मिट्टी को ही कारण मानते हैं।
- रुचिकर स्वाद – मंगो महिलाबादी दशहरी उसकी रुचिकर गुणधर्मीय स्वाद तथा परिपक्व स्तर पर अपने अच्छे मीठे स्वाद के लिए विश्वभर ज्ञात है।
- गहरे आरेंज एलो रंग – गंगोली द्वारा लिखित 'द मंगो ' पुस्तक में, दक्षिण भारत में उपज किये जानेवाले दुशेरी प्रकार, परिपक्व होने पर उत्तरव भारत में प्राप्त बेहतर आरेंज एलो रंग विकसित करने में असफल रहा ।
- फाइबर से मुक्त फलेश

➤ अच्चे कीपिंग गुणता

**(ठ)** निरीक्षण बॉडी:

आवेदक द्वारा विभिन्न बाह्य सदस्यों के साथ उचित, स्वतंत्र तथा प्रभावी निरीक्षण बॉडी निर्माण करने के लिए कदम लिया जा रहा है।

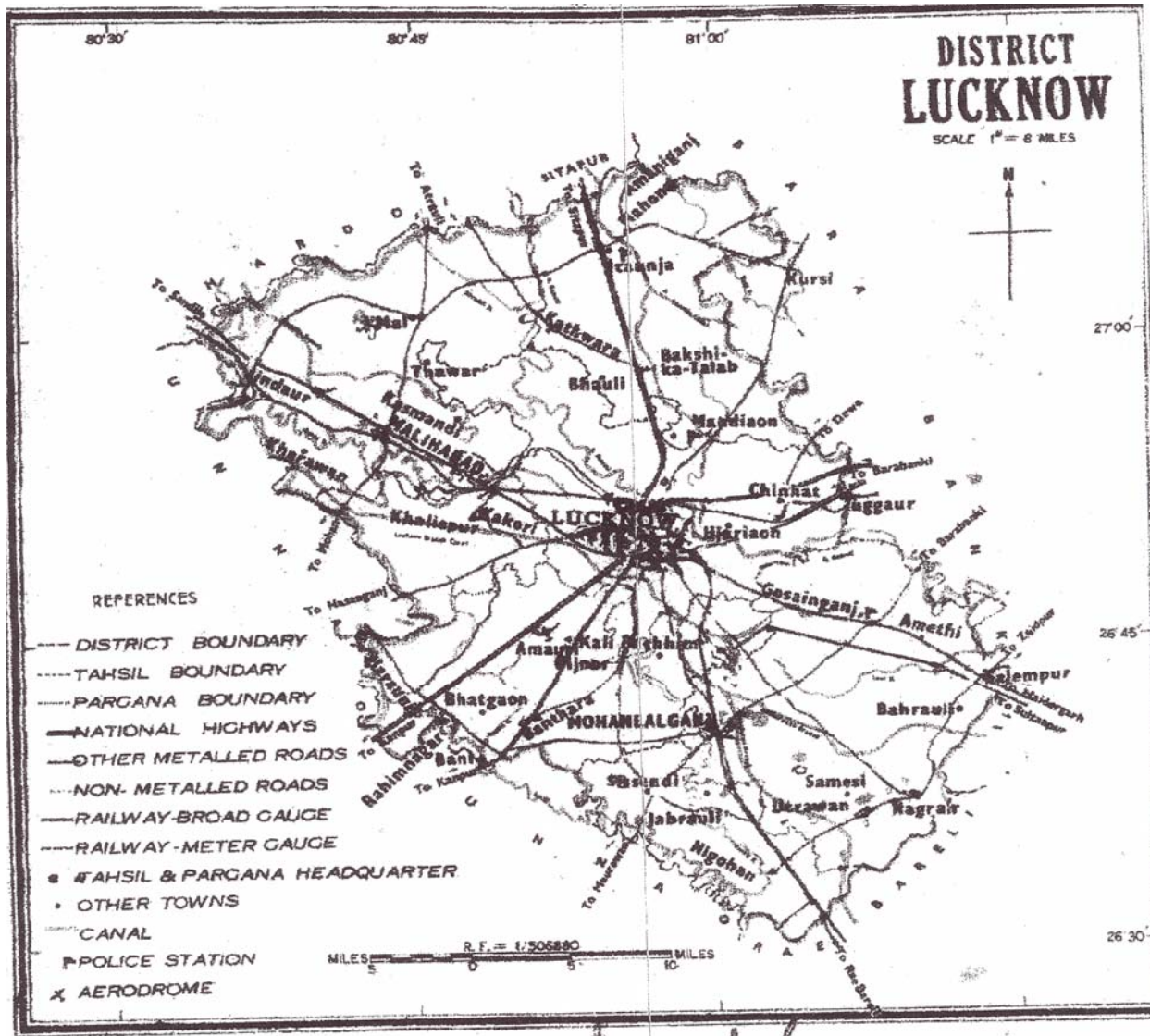


Photo offset by G. W. Lawrie & Co., Lucknow.



14 OCT 2008

**COPY ATTESTED**

B. G. SRIRAM  
ADVOCATE & NOTARY  
No. 82, 10th 'C' Main Road, 1st Block,  
Jaynagar BANGALORE - 560 011.